माता को भोग लगाते समय

वंदना और प्रार्थना

भोग लगाओ मैया योगेश्वरी भोग लगाओ मैया भुवनेश्वरी।
भोग लगाओ माता अन्नपूर्णेश्वरी मधुर पदार्थ मन भाए॥
थाल सजाऊं खाजा खीर प्रेम सहित विनती करूं धर धीर।
तुम माता करुणा गंभीर भक्त चना गुड़ प्रिय पाए॥
शुक्रवार तेरो दिन प्यारो कथा में पधारो दुःख टारो।
भाव मन में तेरो न्यारो मन मानै दुःख प्रगटाए॥
तेरा तुझको दे रहे, करो कृतारथ मात।
भोग लगा मां कर कृपा, कर परिपूरन काज॥
करो क्षमा मेरी भूल को तुम हो मां सर्वज्ञ।
सब बिधि अर्पित मात हूं, मैं बिल्कुल अल्पज्ञ॥
कुछ न मांगूं आपसे दो हित को पहचान।
मां संतोषी आप हैं दया-स्नेह की खान॥

॥ बोलो संतोषी माता की जय॥